



Yash



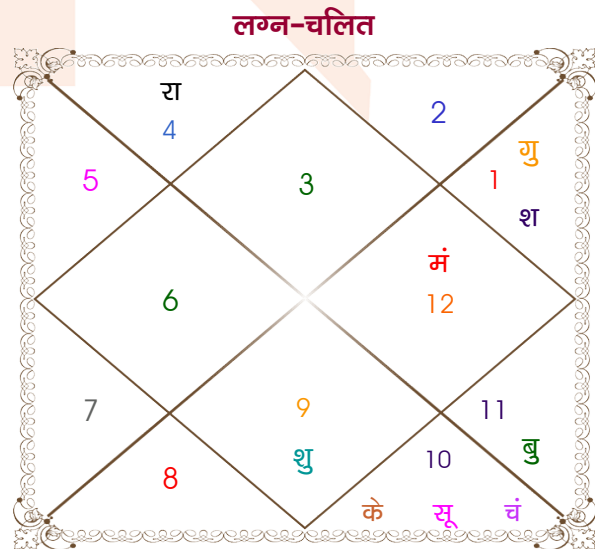
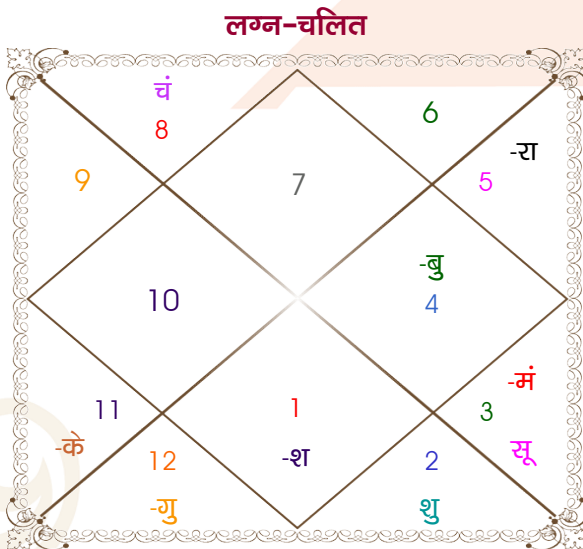
Jyoti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119874003

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ स्त्रीलिंग _____
 07/07/1998 : _____ जन्म तिथि _____ 04/02/2000
 मंगलवार : _____ दिन _____ शुक्रवार
 घंटे 15:29:00 : _____ जन्म समय _____ 15:14:00 घंटे
 घटी 24:46:54 : _____ जन्म समय(घटी) _____ 20:12:03 घटी
 India : _____ देश _____ India
 Alwar : _____ स्थान _____ Alwar
 27:32:00 उत्तर : _____ अक्षांश _____ 27:32:00 उत्तर
 76:35:00 पूर्व : _____ रेखांश _____ 76:35:00 पूर्व
 82:30:00 पूर्व : _____ मध्य रेखांश _____ 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:23:40 : _____ स्थानिक संस्कार _____ -00:23:40 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ 00:00:00 घंटे
 05:34:14 : _____ सूर्योदय _____ 07:09:10
 19:22:33 : _____ सूर्यास्त _____ 18:06:10
 23:50:03 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ 23:51:17

विंशोत्तरी बुध 7वर्ष 5मा 5दि शुक्र		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी सूर्य 0वर्ष 9मा 10दि राहु	
11/12/2012		29:53:09	तुला	लग्न	मिथु	14:43:52	15/11/2017	
11/12/2032		21:15:51	मिथु	सूर्य	मक	21:01:16	15/11/2035	
		24:10:17	वृश्चि	चंद्र	मक	08:16:16		
		06:52:11	मिथु	मंगल	मीन	00:18:07		
शुक्र	12/04/2016	15:48:29	कर्क	बुध	कुंभ	04:34:04	राहु	28/07/2020
सूर्य	12/04/2017	04:02:28	मीन	गुरु	मेष	04:33:14	गुरु	21/12/2022
चन्द्र	12/12/2018	21:30:46	वृष	शुक्र	धनु	19:08:45	शनि	27/10/2025
मंगल	11/02/2020	08:29:07	मेष	शनि	मेष	16:56:01	बुध	16/05/2028
राहु	11/02/2023	08:39:08	सिंह	व	कर्क	09:53:39	केतु	03/06/2029
गुरु	12/10/2025	08:39:08	कुंभ	व	मक	09:53:39	शुक्र	03/06/2032
शनि	11/12/2028	17:57:11	मक	व	मक	22:50:01	सूर्य	28/04/2033
बुध	12/10/2031	07:22:31	मक	व	मक	10:36:22	चन्द्र	28/10/2034
केतु	11/12/2032	11:52:15	वृश्चि	व	वृश्चि	18:35:37	मंगल	15/11/2035



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

लै का वर्ग मृग है तथा श्रलवजप का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार लै और श्रलवजप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

लै मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

श्रलवजप मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

लै तथा श्रलवजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



FUTUREPOINT
Astro Solutions

